कोरूगेटेड बॉक्स का उत्पादन खर्च 18 से 20 प्रतिशत बढ़ने से उद्योग मुश्किल में

कोरोना की मार और क्राफ्ट पेपर के निरंतर बढ़ते भाव का परिणाम

एजेंसी • मुंबई

editor@peoplessamachar.co.in

पिछले 2 महीने में क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा निरंतर भाव वृद्धि किए जाने से और दूसरी ओर अन्य कन्वर्जन इनपुट कास्ट बढ़ने से भारत का कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग मुश्किल में आ गया है। देसी और आयातित वेस्ट पेपर का भाव पिछले 2 महीने में प्रति मेट्रिक टन 4500 से 5000 तक बढ़ गया है। दूसरे भारत और चीन के उत्पादक यूएसए और यूरोप से वेस्ट पेपर का आयात करते हैं, लेकिन लॉकडाउन में उत्पादन बंद रहने से इस समय वेस्ट पेपर की आपूर्ति की तुलना में मांग अधिक है। कोविड-19 लॉकडाउन अवधि में भारतीय पेपर मिलों द्वारा पर्याप्त माल आयात ना कर सकने के कारण इस समय जरूरी ग्रेड का माल यहां कम है और कुछ नीचले ग्रेड की यहां तंगी है। भारत के 350 से अधिक ऑटोमेटिक कोरूगेटर और 10,000 से अधिक सेमी

ऑटोमेटिक यूनिटें कोविड-19 के कारण भारी परेशानी अनुभव कर रही हैं। यह उद्योग 6 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है। यह उद्योग 100 प्रतिशत रीसायकल और पर्यावरणप्रेमी कच्ची सामग्री का उपयोग करता है। इंडियन कोरूगेटेड केस मैन्युफैक्चरर्स एसो. के प्रमुख संदीप वाधवा ने सभी क्राफ्ट पेपर मिल्स एसोसिएशनों से भाव में स्थिरता और अनुशासन बनाए रखने का अनुरोध किया है। वर्तमान विषम परिस्थिति में सभी क्राफ्ट पेपर मिलों का और हमारे ग्राहकों का सहयोग अत्यंत जरूरी है इकमा के उप प्रमुख हरीश मदन ने कहा कि उत्पादन खर्च में 18 से 20 प्रतिशत की वृद्धि होने से कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का टिकना मुश्किल हो गया है।